ढुँढाड़ी भाषा त्रैमासिक पत्रिका

आपणो ढूंढाड़, आपणी भासा

अपरेल सूं जून-2018

* एक हजार बरा सबदां सूं चोखो एक सबद छ, ज्यो मन नअ सान्ती दे।-गौतम बुद्ध

* सांच कोई बी एक आदमी को धन कोनअ, या तो सबळा आदम्यां को खजानो छ।-राल्फ वाल्डो एमर्सन

nirmaan
empowering communities

संपादक

निरमाण सोसाइटी-चाड़सू

बेंक सूं लून कियां ले सकअ छ, ब्याज कतरो छ अर फारम लगाबा की पूरी जाणकारी

भारत सरकार सूं देस का किसाना कअ ताणी, किसान करेडिट कार्ड योजना चलायेड़ी छ। किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) या एक योजना छ। ईं योजना कअ मांयां किसाना नअ कम ब्याज दर पअ बेंक लून दे छ। या देसिक खेती अर गांव विकास बेंक नाबार्ड सूं आरबीआई का खअबा पअ त्यार करेड़ी छ। भारत मअ सारा बेंकां सूं, ईं योजना की सुरुआत 1998 मअ कर्या छा। किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) सार्वजनिक बेंकां मअ, सहकारी बेंक अर गांव का बेंकां सूं जारी करअ छ।

किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) एक असी योजना छ। जींपअ नरचूई कम दर पअ लून मलअ छ। ईं कार्ड सूं किसान जतरा रफ्या नकाळअ छ। किसान नअ अतराई रफ्यां को ब्याज देणो पड़अ छ।

किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) को मुख्य उद्देस्य:

किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) योजना लागू करबा को मुख्य उद्देस्य नीचअ लखेड़ो छ।

* नई फसल का खर्चा कअ ताणी कास्तकार नअ लून देबो।

* व्यापार करबा बेई ओर पीसा लेबो।

* फसल की खेती करबा कअ ताणी कास्तकार नअ कम दनां कअ ताणी रफ्या की जुरत की पूरती करबो।

* खेती अर खेती बेई जियां मच्छी पाळबो, डेरी, बागवानी फूल की खेती बेई लून देबो।

किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) की खास बात

किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) की खास बात नीचअ लखेड़ी छ।

* किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) किसान नअ खेती की जरूरतां की पूरती करबा बेई बेंक एक करेडिट कार्ड देबो।

* किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) कअ मांयां किसान को खुद को दुरघटना बीमा मअ कोई बी किसान की मोत हअज्या या फेर हमेसां कअ ताणी विकलांग हअज्या तो ऊंनअ 50,000 तक की सायता मलअ छ।

* ईं योजना कअ मांयां, फसल की टेम कअ पाछअ संस्करति कार्यकरम करअ छ।

* केसीसी (कार्ड) नअ किसान नगद रफ्या नकाळाबा बेई या लून लेबा बेई (केसीसी) ईंनअ काम ले सकअ छ।

* केसीसी लेबो एक सरल काम छ। ईंमअ जादा कागज जमा कराबा की जुरत कोनअ, केसीसी कम कागजात सूं भी बेगीई लून मलज्या छ।

* किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) बेई किसान की जांच-पड़ताळ करबा बेई ऊंकी जमी, कमाई अर करेडिट कार्ड की पाछली लेण-देण की जाणकारी का स्याब सूं करअ छ।

* किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) कअ मांयां किसान नअ हर साल मअ पूरा रफ्या अर ऊंको ब्याज जमा कराणो पड़अ छ। जिसूं किसान नअ आगअ जार जादा बोज न पड़अ अर किसान हर साल मअ वां रफ्यां नअ दूबारां सूं ले सकअ छ ऊंपअ दूबारां सूं कोई कागज जमा कराबा की जुरत कोन पड़अ।

किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) ईं योजना मअ ब्याज की दर

ईं टेम जतरा बी करेडिट कार्ड बणावअ छ। वां सबळा कार्डां मअ सूं किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) पअ बेंक सबसूं कम ब्याज ले छ। क्यूंकि यो कार्ड किसाना बेई बणअ छ। जिसूं ईंकी ब्याज दर सबसूं कम रअ छ। SBI किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) पअ 7% की दर सूं ब्याज ले छ। किसान सई टेम पअ लून जमा करा दे छ, तो ऊंनअ 3% दर की छूट मलज्या छ। अस्यांईं किसान सई टेम पअ लून जमा करा दे छ, तो ऊंनअ हर साल 4% की दर पअ लून मलज्या छ।

किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) ईं योजना को फायदो लेबा बेई काम आबाळा कागजात (दस्तावेज)

किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) ईं योजना को फायदो लेबा बेई काम आबाळा कागज (दस्तावेज) नीचअ लखेड़ा छ।

* मांग वादो का कागज

* समगर दरस्टिबंधक समजोता (कम्पोजिट हाइपोथेकेसन एगरीमेंट) (CHA-1)

* लून लेबा बेई किसान को अधिकार छ या कोनअ, ऊंका कागज (अधिकार-पतर) (AG-15)

* किसान 12 मअना कअ मांयां लून कियां चुकावलो ऊंकी जाणकारी या ऊंकी पअदावार नअ बेचबा की जाणकारी, किसान कअ, एक साल मअ कतरा रफ्यां की पअदावार हवअ छ।

* भंडारण इकाई नअ बताबा बेई, बेंक का लेबा को अधिकार।

* खेती पअ लून का अधिनियम या जमी की कानूनी बंधक (CHA-4) का स्याब सूं जमी पअ सुल्क।

* सपत पतर (OD-159)

* ब्यवस्थित का स्याब सूं अवकासित संगरण रसीद की सपत।

किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) देबा को नियम

केसीसी कअ मांयां किसाना नअ लून का रफ्या लिमिट का स्याब सूं दे छ। किसान लिमिट सूं जादा रफ्या न नकाळ सकअ छ। किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) की लिमिट 3 लाख की छ। कानूनी कारवाई करबा की फीस माफ या कम हअज्या छ। किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) सूं किसान जतरा रफ्या बेंक सूं नकाळअलो अतराई रफ्या को ब्याज देणो पड़अलो। कोई बी किसान, किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) बेई (आवेदन) फारम लगा सकअ छ। ईंमअ कोई योग्यता की जरुरी कोनअ।

किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) कअ ताणी कियां आवेदन कर सकअ छ।

* किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) कअ ताणी फारम लगाबा बेई खुद नअ सांकड़अ का खेती सम्बधी बेंक की साखा मअ जाणो पड़अलो।

* ऊं बेंक मअ जार थानअ किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) का बारा जाणकारी करणी पड़अली।

* जाणकारी कर्यां पाछअ थानअ एक फारम भरणो पड़अलो अर ऊंकअ साथ जुरत का स्याब सूं कागजां की फोटो कोपी जमा कराणी पड़अली।

* फारम जमा कर्यां पाछअ बेंक थांका फारम की जांच करअलो कअ थे बेंक सूं किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) का हकदार छ या कोनअ, अगर छ तो थानअ किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) मलज्याली।

भारत सरकार सूं देस का किसाना बेई चलायेड़ी योजना, किसान करेडिट कार्ड योजना (केसीसी) को फायदो उठा सकअ छ। अगर थानअ या जाणकारी चोखी लागी छ, तो थे ओर दूसरा किसाना नअ बी बतावो ताकि वअ बी ईं योजना को फायदो उठा सकअ छ।

ढुंढाड़ी भासा मअ कावतां

1. खेती कसम लेती।

अर्थ:- खेती आदमी का पूरा बल निकाल देती है।

2. गोखन्त बद्या अर खोदन्त पाणी।

अर्थ:- शिक्षा पर शोध एंव पानी की खोद जीतनी ज्यादा गहरी होगी उतनी ही ज्यादा बढ़ती है।

ढुंढाड़ी भासा मअ पेळयां

च्यार कूंट को चूंतरो, च्यांरू मूण्डा खाई।

जंगळ मअ बासा करअ, नार डरपतो जाय॥-गोखरू

जळ जमुर, पेड लम्बो।

फल खाया, पण पेड नई पाया॥-ओळा

ढुंढाड़ी भासा मअ भजन

भाई-भाई आणद आयो रअ

भाई-भाई आणद आयो रअ।

सतगुरू अमरत पान करायो रअ॥(टेर)

सबद कटोरी ग्यान की भर कर, सतगुरू मोई पिलायो रअ।

अरे पितांईं दोस्त भयो तन मन, सब तांप न सांयो रअ॥

भाई-भाई आणद आयो रअ..... ॥(1)

सरव दुखां की मूल अविद्या, पल मअ दूर हटायो रअ।

जेसे सूकी कांस म्हे, तुक आग लगायो रअ॥

भाई-भाई आणद आयो रअ..... ॥(2)

परमानन्द भयो घट भीतर, जीवन मुक्त करायो रअ।

सबी मनोरत पूरण भया, मनचित फल पायो रअ॥

भाई-भाई आणद आयो रअ..... ॥(3)

रतनपुरी जी म्हानअ समरत मिलया, निज स्वरूप लिखायो रअ।

अरे मस्त भयो सिव राम गुरांजी की, मईमा गायो रअ॥

भाई-भाई आणद आयो रअ..... ॥(4)

ढुंढाड़ी भासा मअ साख

1 सूरत सूं कीरत बडी, बना पंख उड जाय।

सूरत तो जाती रअ, पण कीरत कद्यां न जाय॥

2 तुळसी ईं संसार मअ, कर लिज्यो दो काम।

देणे को टुकड़ो भलो, लेणे को हरि नाम॥

हार मत मानो, हमेसां आगलो मोखो जरुर आवअ छ।

- मैरी कॉम

मदत करबाळा:-

मुकेश कुमार योगी, रतन लाल योगी

अर कविता योगी

लखबाळा

रामजी लाल बैरवा

पूरण मल बैरवा

बजरंग लाल बैरवा

ढुंढाड़ी भासा मअ मुवावरा

1 सण्णाटो मांचबो।

अर्थ:- सभी शांत हो जाना।

वाक्य में प्रयोग :- गांव की पंचायत मअ एकदम सूं सण्णाटो मांचगो।

2 खण्ड-खण्ड को पाणी पीबो।

अर्थ:- व्यापक अनुभव होना।

वाक्य में प्रयोग :- काळू को छोरो तो खण्ड-खण्ड को पाणी पियेड़ो छ।

ढुंढाड़ी भासा मअ चुटकला

खुल्ला पीसा कोनअ

भिखारी: भगवान का नांव पअ कांईं दे द्यो सेठजी।

सेठ: आज पीसा खुल्ला कोनअ, काल लिज्यो।

भिखारी: सेठजी म्हारा धन्दा मअ उधार कोन चालअ।

लुगाई गूमगी

मोटचार :- साब म्हारी लुगाई गूमगी।

डाकियो :- अरे भाई यो डाकघर छ, पुलिस थाणो कोनअ।

मोटचार :- अरे साब खूसी को मार्यो समजमईं कोन आर्यो, डाकघर जाऊं या पुलिस थाणा मअ।

मलबा की ठोर

निरमाण सोसाइटी

वाड नंमर 6, तकिया मज्जिद कअ सांकड़अ,
काळी हवेली कअ पाछअ, देसवाळयां को मोल्लो,
चाड़सू, जेपर, रास्तान-303901,
फोन नं. - 01429-243997, 9982668204
Email- rajasthanlanguages@nirmaan.org.in
Web- www.nirmaan.org.in